दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना-राशिफल

रायगढ़, मंगलवार 23 जुलाई 2024

www.nyaysakshi.com

संपादकीय

कोई राज्य हाईवे कैसे बंद कर सकता है

सर्वोच्च अदालत ने हरियाणा सरकार से अंबाला के पास शंभू बॉर्डर पर लगाए अवरोधक हटाने का निर्देश दिया है। अदालत ने राजमार्ग को अवरुद्ध करने के अधिकार पर भी प्रश्न उठाए। कोई राज्य हाईवे को कैसे बंद कर सकता है। यातायात नियंत्रित करने को उसका दायित्व बताते हुए अदालत ने कहा कि किसान भी देश के नागरिक हैं। उन्हें खाना दीजिए, चिकित्सकीय देखभाल कीजिए। पीठ ने कहा वे आएंगे, नारे लगाएंगे, वापस चले जाएंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा, किसान मजदूर मोर्चा द्वारा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली चलो की घोषणा के बाद हरियाणा सरकार ने फरवरी में अंबाला-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग में बैरीकेड्स लगा दिए थे।

शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। जैसा कि फरवरी में प्रदर्शनकारी किसानों और हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों के दरम्यान हुई झड़प में हुई किसान की मौत की जांच के लिए उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में पैनल गठित करने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार का कहना है कि 400-500 किसान पंजाब की तरफ बैठे हैं।

सबसे बड़ी अदालत की नाराजगी उस यातायात अव्यवस्था के कारण है, जिससे जनता को हर रोज जूझना पड़ता है। इस पर हैरत नहीं होती कि सरकारें किस बेरुखी से व्यस्त सडक़ों पर अवरोधक लगाने के आदेश जारी कर देती हैं। पांच महीनों से ऐसी सडक़ को बाधित रखना, जिसका प्रयोग ढेरों लोग नियमित तौर पर करते हैं।

यहां तो किसानों के उग्र आंदोलन की दलील दी जा सकती है जबकि देखने में आता है कि राजनेताओं की सुविधा और उनके कार्यक्रमों के मद्देनजर देश भर में अवरोधकों के धड़ल्ले से उपयोग होते रहते हैं। अदालतों की कड़ी टिप्पणियों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती।

सरकारी आदेशों या नियमों के विरोध का हक नागरिकों से छीना नहीं जा सकता। उन्हें काबू में रखने के तरीके मानवीय और व्यावहारिक भी हो सकते हैं। बात नाराज किसानों की ही नहीं है, बल्कि सडक़ को लंबे समय तक बंद रखने और वैकल्पिक व्यवस्था देने में कोताही की भी है। उम्मीद की जानी चाहिए अदालत के इस आदेश से सरकारें सीख लेंगी और भविष्य में अवरोधकों का बेजा प्रयोग थम जाएगा।

देश की अर्थव्यवस्था में आएगी तेजी, काबू में रहेगी महंगाई, लोकसभा में पेश हुआ आर्थिक सर्वे

मुंबई

मानसून सत्र के पहले दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 पेश किया. इस आर्थिक सर्वे में सरकार ने पूरा ध्यान निजी क्षेत्र और पीपीपी मॉडल पर दिया है. मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में पेश किए गए पहले आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.5 से लेकर 7 प्रतिशत तक रह सकती है. वित्त मंत्री ने जहां देश की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है तो वहीं सरकार के सामने एक चुनौतियों को लेकर भी जिक्र किया है.

ग्लोबल चुनौतियां से लग सकता है झटका

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्थिक सर्वेक्षण में जिस चुनौती का जिक्र किया है वह ग्लोबल चुनौतियां हैं. जिसकी वजह से एक्सपोर्ट के मोर्चे पर देश को थोड़ा झटका लगने की संभावना है. हालांकि सरकार इसे लेकर पूरी तरह से सतर्क भी है. आर्थिक सर्वे के मुताबिक, ग्लोबल बिजनेस में चुनौतियां पेश आने की आशंका है. वैश्विक अनिश्चितता के चलते कैपिटल फ्लो पर इसका असर देखने को मिल सकता है.

रोजगार को लेकर कही गई ये बात

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का आर्थिक सर्वे में रोजगार को लेकर भी जानकारी दी है. पेश किए गए डाटा में कहा गया है कि जनसंख्या अनुपात में ग्रोथ के साथ कोरोना महामारी के बाद से देश की सालाना बेरोजगारी दर में गिरावट हो रही है. मार्च 2024 में 15+ आयु वर्ग के लिए शहरी बेरोजगारी दर पिछले वर्ष के 6.8 प्रतिशत से कम होकर 6.7 फीसदी पर आ गई है. आर्थिक सर्वे के मुताबिक, भारत की कुल कामगार जनसंख्या में से करीब 57 प्रतिशत स्वरोजगार कर रहे हैं. जबकि युवा बेरोजगारी दर 2017-18 मे 17.8 प्रतिशत से गिरकर 2022-23 में दस फीसदी पर आ गई है.

निजी निवेश से मिली अर्थव्यवस्था का गति

आर्थिक सर्वे में कहा गया है कि सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय पर जोर दिए जाने और प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में लगातार हो रही तेजी के चलते ग्रोस फॉरेक्स कैपिटल फॉर्मेशन को बढ़ावा मिला है. आर्थिक सर्वे में कहा गया है कि वर्ष 2023-24 में इसमें 9 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई.

कम होगा वित्तीय घाटा

वित्त मंत्री ने संसद में आर्थिक सर्वेक्षण पेश करते हुए वित्तीय घाटे में कमी आने की उम्मीद जताई है. आर्थिक सर्वेक्षण में अनुमान जताया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का वित्तीय घाटा घटकर 4.5 फीसदी पर आने की संभावना है. आर्थिक सर्वे में कहा गया है कि सरकार का पूरा ध्यान राज्यों की क्षमता को बढ़ाने पर है.

आर्थिक सर्वेक्षण की अहम बातें

संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि एयरपोर्ट सेक्टर में 72000 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया गया है. इसके साथ ही शिक्षा और रोजगार में संतुलन बनाना जरूरी के बारे में भी जानकारी दी गई है. आर्थिक सर्वे में राज्यों की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देने के बारे में कहा गया है. इसके अलावा साल 2030 तक भारत को वैश्विक ड्रोन हब बनाने पर जोर दिया गया है.

बड़ी गिरावट के साथ खुला शेयर बाजार, ऑटो और आईटी शेयरों में बिकवाली

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ खुला। बाजार में चौतरफा गिरावट देखी जा रही है। सुबह 9:20 तक सेंसेक्स 361 अंक या 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,243 और निफ्टी 138 अंक या 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,392 पर था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर भी रुझान नकारात्मक बना हुआ है। 1719 शेयर लाल निशान में और 385 शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं।

छोटे और मझोले शेयरों में भी बिकवाली का रुझान देखा जा रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 209 अंक या 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 55,780 और निफ़्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 94 अंक या 0.51 प्रतिशत के दबाव के साथ 18,285 पर बना हुआ है।

सेंसेक्स पैक में अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, एनटीपीसी, नेस्ले, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, आईटीसी और टीसीएस टॉप गेनर्स हैं। विप्रो, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस, एलएंडटी, जेएसडब्ल्यू स्टील और आईसीआईसीआई बैंक टॉप लूजर्स हैं।

सेक्टर के हिसाब से देखें तो ऑटो, आईटी, फिन सर्विस, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा और प्राइवेट बैंक में बिकवाली है। पीएसयू बैंक, फार्मा और पीएसई इंडेक्स पर दबाव देखने को मिल रहा है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिटेल रिसर्च प्रमुख दीपक जसानी का कहना है कि इस हफ्ते बजट और वैश्विक कारणों के चलते बाजार में उठापटक रह सकती है। निफ्टी के लिए 24,854 एक रुकावट का स्तर है। वहीं, 24087-24344 का स्तर निफ्टी के लिए एक मजबूत सपोर्ट के रूप में काम करेगा।

एशिया के ज्यादातर बाजारों में गिरावट देखी जा रही है। टोक्यो, शंघाई, सोल और बैंकॉक के बाजार लाल निशान में हैं। केवल हांगकांग और जकार्ता के बाजारों में खरीदारी है। अमेरिका के बाजार शुक्रवार को लाल निशान में बंद हुए थे।

वेस्टइंडीज को हराकर इंग्लैंड ने मारी लंबी छलांग, पाकिस्तान पर मंडराया खतरा

नईदिल्ली। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला भी पूरा हो गया है। इस मैच को जीतने के साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज पर तो कब्जा कर ही लिया है, साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में भी लंबी छलांग लगा दी है। इससे भारतीय टीम की सेहत पर तो कोई असर नहीं पड़ा है, लेकिन पाकिस्तान के लिए अभी तो नहीं, लेकिन आने वाले वक्त में जरूर मुश्किल खड़ी हो सकती है। टीम अब डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में सीधे नंबर 7 पर पहुंच गई है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के ताजा प्वाइंट्स टेबल की बात की जाए तो यहां पर भारतीय क्रिकेट टीम नंबर एक की कुर्सी पर काबिज है। टीम इंडिया का पीसीटी अभी 68.51 का है। जो बाकी सभी टीमों से ज्यादा है। इसके बाद अगर दूसरे नंबर की बात की जाए तो यहां पर ऑस्ट्रेलिया टीम है। ऑस्ट्रेलिया का पीसीटी अभी 62.50 का है। यानी पहले और दूसरे नंबर की टीम के बीच अंतर तो है, लेकिन ये बहुत ज्यादा नहीं है। एक मैच में हार जीत के बाद ही इसमें बदलाव हो सकता है।

बजट में लोकल ट्रेनों के शुरू होने की उम्मीद, कोरोना काल में बंद की गई थी ये गाड़ियां

मुंबई

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला और अपना सातवां बजट पेश करेंगी. इस बजट में हर वर्ग को काफी उम्मीदें हैं. दिल्ली-एनसीआर में हर दिन लोकल ट्रेनों से सफर करने वाले लोगों को भी इस बजट में अपनी परेशानी खत्म होने की उम्मीद है. दरअसल, दिल्ली और आसपार के शहरों में चलने वाली दैनिक यात्रा यानी ईएमयू (इलेक्ट्रक मल्टीपल यूनिट) ट्रेनों की संख्या में बढ़ोतरी की आस लगाए बैठे हैं. क्योंकि पलवल और फरीदाबाद के बीच यात्रा करने वाले यात्री पिछले चार साल से बंद पड़ीं 10 ईएमयू ट्रेन चलाने की मांग कर रहे हैं. इन लोगों का कहना है कि इस रूट पर रेलवे को वातानुकूलित ईएमयू ट्रेन सेवा शुरू करनी चाहिए. इसके साथ ही लोगों की मांग है कि रेलवे को बिहार के लिए भी सीधी ट्रेन चलानी चाहिए.

मथुरा रूट पर चलती हैं कई लोकक ट्रेनें

बता दें कि मथुरा रूट पर कई लोकक ट्रेनें चलती हैं लेकिन यहां यात्रा करने वालों की संख्या के हिसाब से ट्रेनों की संख्या काफी कम है. क्योंकि इस रूट पर पलवल जिले के होडल, बंचारी, शोलाका, रूंधी, पलवल, असावटी रेलवे स्टेशन के आस-पास के गांव को लोग रोजाना फरीदाबार और दिल्ली आने-जाने के लिए ईएमयू ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं. क्योंकि ट्रेन से सफर करना बस के मुकाबले काफी सस्ता है बल्कि ट्रेन से सफर जल्दी भी पूरा हो जाता है. ऐसे में लोग ईएमयू ट्रेन से ही चलना पसंद करते हैं. इसी तरह फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ़, न्यू टाउन रेलवे स्टेशन और फरीदाबाद रेलवे स्टेशन से दिल्ली के बीच हजारों की संख्या में लोग हर दिन ईएमयू ट्रेन से यात्रा करते हैं. कोरोना काल से पहले फरीदाबाद और पलवल से दिल्ली रोजाना करीब 60 हजार लोग ईएमयू ट्रेन से यात्रा करते थे.

ओलंपिक इतिहास में सिर्फ एक बार हुआ ऐसा, जब एक ही इवेंट में दो लोगों को मिल गया गोल्ड

नईदिल्ली

ओलंपिक 2024 का आयोजन इस बार फ्रांस की राजधानी पेरिस में किया जा रहा है। ओलंपिक में इस बार दस हजार से ज्यादा एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। वहीं कुल 204 देश ओलंपिक में भाग लेने के लिए तैयार हैं। ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से हो रही है। ओलंपिक का इतिहास काफी पुराना रहा है। इसकी शुरुआत 1896 में हुई थी। ओलंपिक खेलों के इतिहास में कई एथलीटों ने अपने देश का नाम रौशन किया है। हर एथलीट की नजरें इस दौरान गोल्ड मेडल पर होती है। इसी बीच क्या आप जानते हैं कि इतने साल के इतिहास में सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है जब एक इवेंट में दो खिलाड़ियों को गोल्ड मेडल दिया गया था। आइए उस खास पल के बारे में जानते हैं जब ओलंपिक में इतिहास रचा गया था।

खेलों के महाकुंभ ओलंपिक में एक बार ऐसा हो चुका है जब दो खिलाड़ियों को एक ही इवेंट के लिए गोल्ड मेडल दिया गया था। यह किस्सा टोक्यो ओलंपिक 2020 का है। जह हाई जंप इवेंट में कतर के एथलीट मुताज एसा बार्शिम और इटली के जियानमार्को ताम्बेरी के बीच मुकाबला काफी टक्कर का था। दोनों एथलीट राउंड दर राउंड के बाद भी एक दूसरे से आगे नहीं निकल पा रहे थे। दोनों का स्कोर बराबर पर ही रह रहा था।

दोनों खिलाड़ियों का स्कोर बार-बार एक जैसा होने के कारण एक अधिकारी ने उन्हें बताया कि अगला कदम जंप-ऑफ है, ताकि देखा जा सके कि कौन दूसरे से अधिक समय तक टिक सकता है। लेकिन तब ही इस खेल के वर्ल्ड चैंपियन बार्शिम ने अधिकारी से पूछा कि क्या हम दोनों गोल्ड मेडल जीत सकते हैं? बार्शिम ने इस सवाल का जवाब देते हुए अधिकारी ने जवाब दिया कि हां, यह संभव है। इतना सुनते ही दोनों एथलीट खुशी से झूम उठे। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने पोडियम पर जीत हासिल करने के बाद एक-दूसरे से हाथ मिलाया और गले मिले। अधिकारी से बात करने से पहले ही दोनों गले मिले और टोक्यो ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए एक-दूसरे को बधाई दी।

सूर्यकुमार यादव को क्यों नहीं मिली वनडे टीम में जगह, चीफ सेलेक्टर अगरकर ने बताई पूरी बात

नईदिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम अब अपने अगले मिशन के लिए तैयार है। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए टीम इंडिया आज रवाना हो गई है। सीरीज के लिए कई युवा और नए खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। खास बात ये है कि सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया है। हालांकि मजे की बात ये भी है कि सूर्या टी20 टीम के तो कप्तान हैं, लेकिन वनडे टीम में तो उन्हें जगह तक नहीं मिली है। श्रीलंका जाने से पहले टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने मीडिया से बात की और इस पूरे मामले से पर्दा हटाने का काम किया है।

श्रीलंका दौरे पर रवाना होने से पहले मुंबई में चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और नए हेड कोच बने गौतम गंभीर की प्रेस कॉफ्रेंस आयोजित की गई। इसमें जब सूर्या कुमार यादव को लेकर सवाल किया गया तो अजीत अगरकर ने साफ तौर पर बताया कि वनडे में सूर्या कुमार यादव को लेकर ज्यादा चर्चा ही नहीं की गई। उन्होंने कहा कि श्रेयस अय्यर की वनडे टीम में वापसी हो रही है, वहीं केएल राहुल भी वनडे टीम के अहम सदस्य हैं, इसलिए सूर्यकुमार यादव की जगह नहीं बन रही थी, इसीलिए उनके नाम पर चर्चा की जरूरत ही नहीं थी। इतना ही नहीं, लंबे अंतराल के बाद ऋषभ पंत की भी वनडे टीम में वापसी होने जा रही है। यानी सूर्यकुमार यादव अगर टीम में शामिल कर भी लिए जाते तो शायद उन्हें प्लेइंग इलेवन में खेलने का मौका नहीं मिल पाता। यही वजह है कि सूर्या वनडे टीम के तो कप्तान हैं, लेकिन वनडे टीम में उनकी जगह नहीं बन पाई है।

सूर्यकुमार यादव ने पिछले कुछ साल में टी20 में जिस तरह की बल्लेबाजी की है, वहां तो उनकी जगह पक्की है। वे लंबे समय तक आईसीसी रैंकिंग में भी नंबर एक बल्लेबाज रहे हैं, हालांकि अब वहां से हट गए हैं। जहां के लिए वे फिर से दावा कर सकते हैं।

जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ स्टारर वेदा का नया पोस्टर आया सामने, 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

मुंज्या और महाराज में नजर आने के बाद अब एक्ट्रेस शरवरी वाघ जल्द जॉन अब्राहम के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म वेदा में दिखाई देने वाली है। ये मूवी अगले महीने अगस्त में रिलीज होने के लिए तैयार है। फैंस भी पठान के बाद एक बार फिर अभिनेता को एक्शन अवतार में देखने के लिए उत्साहित हैं।

ऐसे में अब एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है और साथ ही जॉन के किरदार के लिए एक खास नोट भी लिखा है।

निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी फिल्म वेदा का नया पोस्टर शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें जॉन-शरवरी एक साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा है कि अभिमन्यु सर, म्हारी दुनिया में आप एक अकेले ऐसे इंसान हो, जिसने कभी-कोई फर्क नहीं किया। गुरु हो आप मेरे, जिसने म्हारा साथ दिया, लडऩा सिखाया, दुनिया की रीति-नीति, सही-गलत सिखा के एक फाइटर बनाया।

अन्याय सहना नहीं, बाल्की अन्याय के खिलाफ जंग करने का रास्ता आपने दिखाया। आप प्रेरणा हो म्हारी और मेरे जैसी कई वेदा की। आज गुरु पूर्णिमा के दिन, वादा है ये फाइटर वेदा का आपसे कि ये जंग जो अन्याय के खिलाफ छेड़ी है मैंने आखिर तक लड़ूंगी भी और जीतूंगी भी। आपकी शिष्य, वेदा।

बॉक्स ऑफिस पर छाई विक्की कौशल-तृप्ति डिमरी की बैड न्यूज, 20 करोड़ के करीब पहुंची कमाई

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क स्टारर बैड न्यूज 19 जुलाई, शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. आनंद तिवारी निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपने दूसरे दिन भारत में 10 करोड़ रुपये कमाए. ट्रेड एनालिस्ट के मुताबिक फिल्म की दूसरे दिन की कमाई में बढ़ोतरी होनी चाहिए थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ और फिल्म की कमाई में सिर्फ 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई.

यह फिल्म के बिजनेस के लिए अच्छी खबर नहीं है क्योंकि कुछ मूवी चेन ने पहले दिन से ही कमाई में गिरावट देखी है. 8.3 करोड़ रुपये से ओपनिंग करने और अपने पहले शनिवार को 10 करोड़ रुपये कमाने के बाद, बैड न्यूज की दो दिन की कमाई 18.3 करोड़ रुपये हो गई है. इसी के साथ फिल्म की कमाई में सिर्फ 50-60 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है.

आज का राशिफल

मेष: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज व्यवसाय में भविष्य की कार्य योजनाओं के लिए उचित मंथन करने की जरूरत है। आज व्यवसायिक कामों में सहयोगियों और जीवनसाथी के निर्णय को प्राथमिकता देंगे।

वृष: आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज कुछ समय व्यक्तिगत कार्यों में बिताने से आप अपने आपको ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। सामाजिक गतिविधियों में भी रुझान बढ़ेगा। फाइनेंस संबंधी गतिविधियां समय पर निपटा लेंगे।

मिथुन: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। दफ्तर में कोई उलझा हुआ मामला आज सुलझ सकता है।

कर्क: आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। बच्चों को आज पढाई में मन लगाने की जरूरत है। धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों में भी कुछ समय बीतेगा।

सिंह: आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी एसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। पारिवारिक ताल-मेल मजबूत होगा।

कन्या: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के कोर्ट कचहरी के मामले से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे-समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें।

तुला: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम असान हो जायेगा। आज आपका व्यक्तित्व व रहन-सहन के प्रति अधिक सजग रहना। लोगों के बीच आकर्षण का कारण बनेगा।

वृश्चिक: आज आपका दिन अच्छे पल लेकर आया है। बेवजह के कामों में अपना समय बर्बाद न करके रुका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे तो फायदा हो सकता है। आज व्यस्तता से भरी दिनचर्या रहेगी, फिर भी आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभा लेंगे।

धनु: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे जिनसे अच्छा ताल मेल बनेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स के व्यापारियों का कारोबार तेजी से आगे बढ़ेगा। आज काम करने के तरीको में बदलाव न करके मौजूदा स्थिति पर ही फोकस करेंगे।

मकर: आज आपको किसी अपने से कोई अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज अपने बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उनका प्रोत्साहन करेंगे। आज आपका बिजनेस अच्छी गति से आगे बढ़ेगा, जिससे अधिक मुनाफा होगा।

कुंभ: आज आपका दिन बहुत ही खास होने वाला है। आज आप नया सीखने की चाहत आपके अनुभव को और अधिक बढ़ाएगी। आज उलझे हुए कार्यों में अनुभवी लोगों का सहयोग मिलने से कार्य पूरा हो जायेगा।

मीन: आज आपका दिन आपके परिवार वालों के लिए खुशिया लेकर आया है। आज अपनी दिनचर्या को लेकर बनाए गए नियम आपको राहत देंगे और कार्य व्यवस्थित रूप से संपन्न होते जाएंगे।

सेब के छिलके के फायदे कर देंगे आपको हैरान, ऐसे करें इसका इस्तेमाल

चेहरे पर होने वाले पिंपल से अधिकतर लोग परेशान रहते हैं. इससे छुटकारा पाने के लिए लोग बाजार के कई महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं. यही नहीं कुछ लोग तो मेडिकल ट्रीटमेंट की भी सहायता लेते हैं, लेकिन अब आप एक घरेलू नुस्खा आजमा कर अपने चेहरे को चमकदार और खूबसूरत बना सकते हैं.

हम बात कर रहे हैं सेब की. यह सेहत के लिए फायदेमंद होने के साथ साथ त्वचा के लिए भी काफी लाभकारी माना गया है. सेब के छिलके का इस्तेमाल कर आप अपनी त्वचा को निखार सकते हैं. आइए जानते हैं सेब के छिलके का इस्तेमाल कैसे करें.

सेब के छिलके का फेस पैक- आप सेब के छिलके का फेस पैक बना सकते हैं. इसका फेस पैक बनाने के लिए सेब के छिलके को कुछ दिनों तक धूप में सुखाएं, फिर इसका पाउडर बना ले. अब दो चम्मच सेब का पाउडर, एक चम्मच बारीक पिसा हुआ दलिया पाउडर और एक चम्मच शहद, इन तीनों को अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट तैयार कर ले. इस पेस्ट को 15 से 20 मिनट के लिए अपने चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें.

इसके बाद साफ पानी से अपना चेहरा धो लें. इसके अलावा आप सेब के छिलके से एक और फेस पैक बना सकते हैं. इसके लिए आपको एक कटोरी में दो चम्मच सेब के छिलके का पाउडर लेना है और इसमें जरूरत के हिसाब से थोड़ा दूध मिलाकर पेस्ट तैयार करना है.

इस पेस्ट को आप अपने चेहरे और गर्दन पर 15 से 20 मिनट के लिए लगाएं. उसके बाद साफ पानी से अपना चेहरा धो ले. आप इस फेस पैक में दो चम्मच बटर मिल्क भी मिल सकते हैं. यह भी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद माना गया है.

सेब के छिलके के फायदे- अगर आप सेब के छिलके से बने फेस पैक का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे चेहरा सॉफ्ट और चमकदार बनता है. सेब के छिलके में मौजूद विटामिन ए, सी, ई और के भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो स्किन को मॉइस्चराइज करने में काफी मदद करता है, साथ ही दाग धब्बे और पिंपल्स से छुटकारा दिलाता है. यही नहीं सेब के छिलके का इस्तेमाल कर आप आंखों के नीचे होने वाले काले घेरे से भी छुटकारा पा सकते हैं.

शब्द सामर्थ्य- 104

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

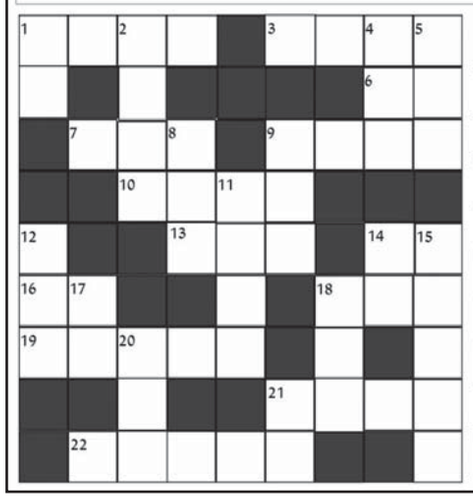

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 125 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त	
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द	
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी	
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र	
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■	
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न	
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र	
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ	
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी	

सू-दोकू- 104

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.125 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6